एक नजर में

भारतीय किसान यूनियन आज देगा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

घट्टिया। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) जिला इकाई उज्जैन के नेतृत्व में अपनी 20 सूत्रीय माँगों का ज्ञापन बुधवार को एसडीएम को देंगे । केंद्रीय कृषि मंत्री, प्रदेश के मुख्यमंत्री और ऊर्जामंत्री मध्यप्रदेश शासन के नाम का उक्त ज्ञापन बुधवार दोपहर 12 बजे यूनियन के जिला अध्यक्ष भगवानसिंह राजपूत के नेतृत्व में जिला और तहसील इकाई के पदाधिकारियों एवं सैंकड़ों क्षेत्रीय किसानों की उपस्थिति में बाईक रैली के साथ सौंपा जावेगा। यूनियन जिला अध्यक्ष भगवान सिंह राजपूत ने बताया कि 13 अगस्त को पूरे प्रदेश में उनके संगठन की ओर से सभी तहसीलों में किसानों की जायज मांगों को लेकर ज्ञापन दिए जावेंगे। ज्ञापन में उज्जैन जिले में किसानो को फसल बीमा क्लेम की मिलने वाली राशि को लेकर भी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। यूनियन के जिला प्रवक्ता देवराम जाट (जांगू) ने अधिक से अधिक संख्या में किसान भाईयों से ज्ञापन में भाग लेने की अपील की है।

सातुड़ी तीज पर महिलाओं ने रखा व्रत, चंद्रोदय के बाद सत्तू का सेवन कर पति के लंबी उम्र की कामना

घट्टिया। मंगलवार को सातुड़ी तीज पर महिलाओं ने दिनभर व्रत रखकर अखंड सौभाग्य की कामना हेतु शाम को चारभुजा मंदिर में महादेव व पार्वती जी का सामूहिक पूजन अर्चन किया। तलाई बनाकर उसमें नीम का पौधा लगाकर महादेव और पार्वती जी का पूजन कर अखंड सौभाग्य की कामना की । ग्रामीण क्षेत्र में महिलाएं तीज की शोभायात्रा निकालते हुए बावड़ियों पर ले जाकर पति की लंबी कामना को लेकर पूजन अर्चन करती ह । माहेश्वरी व अग्रवाल समाज में तीज पर महिलाए दिनभर निराहार व्रत रखकर शाम को 16 श्रृंगार कर तीज माता (शिव पार्वती) का पूजन अर्चन कर चने, चावल, गेहूं से बने सत्तू तीज माता को अर्पण कर चंद्रोदय के बाद पति के हाथों पिंडी पास कर महिलाएं तीज का व्रत खोलती है व सत्तू का सेवन कर व्रत पूरा करती है। वही कुंवारी कन्याएं तीज का व्रत कर अच्छे वर की कामना करते हुए पूजन अर्चन करती है।

लाइब्रेरी एवं लाइब्रेरी साइंस विभाग परिसर में किया पौधारोपण

उज्जैन। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 12 अगस्त को यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट, विक्रम विश्विद्यालय उज्जैन की एन.सी.सी. इकाई द्वारा लाइब्रेरी एवं लाइब्रेरी साइंस विभाग परिसर, विक्रम विश्विद्यालय में पौधारोपण किया गया। कैप्टन कनिया मेड़ा एनसीसी अधिकारी द्वारा आयोजित एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में प्रो. अर्पण भारद्वाज कुलगुरु विक्रम विश्विद्यालय उज्जैन, प्रो. अनिल जैन पुस्तकालय, डॉ. राज बोरिया विभागाध्यक्ष, लाइब्रेरी साइंस, एन. सी. सी. कैडेट्स द्वारा पौधारोपण किया गया है।

राजपूत सरदार आज मनाएंगे वीर दुर्गादास जयंती

उज्जैन। मारवाड़ राज्य के राठौड राजपूत सेनापति रहे क्षत्रीय वीर दुर्गादास राठौड़ (13 अगस्त 1638- 22 नवंबर 1718) की 387वीं जयंति पर समग्र राजपूत सरदारों द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आज 13 अगस्त को प्रात: 9 बजे क्षिप्रा तट उज्जैन पर चक्रतीर्थ के समीप श्रद्धांजलि एवं पूजन अर्चन किया जायेगा। कार्यक्रम संयोजक भरत सिंह हाड़ा ने बताया कि महान योद्धा वीर दुर्गादास राठौड़ की मृत्यु उज्जैन में क्षिप्रा नदी के तट पर हुई थी। लाल पत्थर से बनी उनकी छत्री आज भी चक्रतीर्थ के समीप उज्जैन में क्षिप्रा तट पर स्थित है, जो सभी राजपूत सरदारों एवं अन्य समाजों के लिए श्रद्धा का तीर्थ है। सभी राजपूत सरदारों व गणमान्य नागरिकों से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहकर अपनी उपस्थिति दर्ज करायें तथा उनकी पुण्य स्मृति में श्रृद्धासुमन अर्पित करें। भरत सिंह हाड़ा के अनुसार वीर दुर्गादास राठौड़ को 17वीं शताब्दी में महाराज जसवंत सिंह की मृत्यु के बाद मारवाड़ अंचल के अस्तित्व एवं विभिन्न छत्तीस-कौम को अक्षुण्ण बनाएं रखने का श्रेय दिया जाता है। ऐसा करने के लिए उन्हें मुगल बादशाह औरंगजेब की अवहेलना करनी पड़ी थीं। दुर्गादास राठौड़ ने ऐतिहासिक युद्ध (1679-1707) के दौरान राठौड़ सेना की कमान संभाली और 1708-1710 के राजपूत विद्रोह में प्रमुख भूमिका निभाई, जो मुगल साम्राज्य के पतन का एक मुख्य कारण बन गया। उन्हें जयपुर के राजा जयसिंह द्वितीय के साथ विद्रोह का नेता चुना गया था। उन्होंने मुगलों के खिलाफ कई जीत हासिल की ओर कई मुगल अधिकारियों को उन्हे श्रद्धांजली देने के लिए मजबूर किया। उन्होंने औरंगजेब की मुगल सेना द्वारा नष्ट किए गए बड़ी संख्या में मंदिरों का पुनर्निमाण किया। उन्होंने हिन्दुओं को औरंगजेब के अत्याचारों के खिलाफ खड़े होने का साहस भी दिया। दुर्गादास ने अपने कर्तव्यों को सफलतापूर्वक करने के बाद जोधपुर छोड़ दिया और कुछ समय तक सादड़ी, उदयपुर, रामपुरा, भानपुरा में रहे, और फिर अंतिम समय उज्जैन में निर्वहन किया।

समग्र स्वास्तिक परिवार ने अच्छी वर्षा के लिए किया स्वास्तिक हवन

बाबा महाकाल से अवंतिका नगरी को जलसंकट से मुक्त करने की प्रार्थना

उज्जैन। समग्र स्वास्तिक परिवार द्वारा अवधेश धाम आश्रम में स्वास्तिक हवन कर महाकाल से अच्छी वर्षा हेतु प्रार्थना की। संस्थापक अध्यक्ष शिवम गुरु ने बताया कि अवंतिका नगरी में जलसंकट गहराता जा रहा है। ऐसे में आश्रम में अच्छी वर्षा की कामना को लेकर हवन किया गया। मुख्य यजमान अजय मालवीय, समग्र स्वास्तिक परिवार के सदस्य विजय गिरी गोस्वामी, पप्पू चौहान, राजेश राठौर, श्याम गोठी, संदीपा गोस्वामी एवं सभी लोगों ने मिलकर अच्छी वर्षा हेतु बाबा महाकाल से प्रार्थना की। हवन आचार्य पंडित हरिओम दुबे, पंडित सूर्यकांत ने सम्पन्न कराया।

बिखरा कचरा एकत्र कर निस्तारित किया

उज्जैन। स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान के तहत शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय प्रांगण में स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। एनएसएस और एनसीसी की स्वयंसेवक छात्राओं ने प्रभारी मीरा यादव एवं मधुबाला राठौर के सानिध्य में महाविद्यालय परिसर की साफ-सफाई की और चारों ओर बिखरा कचरा एकत्र कर निस्तारित किया।

बारिश की खेंच से सूखने लगी फसलें, किसानों में मायूसी

घट्टिया। श्रावण माह पूरा बीत गया है, बोवनी के बाद फसले मिट्टी से तो उगकर बाहर निकल आई किन्तु बारिश की खेंच से सूखने लगी है । मोजेक सहित अन्य बीमारियाँ भी फसलों में लगने लगी है। सोयाबीन सहित अन्य फसले बीमारी ग्रसित होकर सुखने की कगार पर है जिससे किसानो में मायूसी है ।

तेज गर्मी व धूप से ज़न जीवन भी अस्त व्यस्त है, गर्मी से उल्टी दस्त सहित अन्य बीमारियाँ भी फैल रहीं है जिससे लोग परेशान हो रहे है। केवल दिन में ही नहीं ब्लकि लोगों को रात में भी मुसीबत हो रही है, क्योंकि बारिश के अभाव में गर्मी व उमस से दिन में व रात में बहुत तेज गर्मी रहती है ।

किसान सुरेसिंह भाईजी, कालूसिंह पटेल, प्रताप सिंह पंवार, महेंद्रसिंह अवार आदि ने बताया कि जहा बल्डे की जमीन है वहा फसले सुख गई है व जहा नमी वाली जमीन है वहा फसले सूखने लगी है, यदि दो तीन दिन में वर्षा नहीं हुई तो दोबारा बोवनी करनी पड़ सकती है ।

वहीं बारिश की कामना को लेकर क्षेत्र में अनेक टोने टोटके हवन पूजन सहित उजमनी के आयोजन होने लगे है। जहां एक तरफ फसले सूखने लगी है वहीं पेयजल आपूर्ति व जल संकट की समस्याए भी आने की संभावनाए नजर आने लगी है।

सहकार भारती की जिला कार्यकारिणी बैठक

बड़नगर। सहकार भारती द्वारा जिला कार्यकारिणी की बैठक श्री विश्व मंगल गॉर्डन ग्राम चिकली में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता और सहकार भारती के संस्थापक डॉक्टर लक्ष्मणराव इनामदार के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश संगठन मंत्री राधेश्याम जलछत्री भोपाल, कार्यक्रम में विशेष अतिथि विधायक जितेंद्र सिंह पंड्या, सहकारिता नेता सुकमाल जैन, संभाग प्रमुख राम शर्मा, इफको डायरेक्टर ऋषिराज सिंह सिसोदिया, मालवा प्रांत संगठन प्रमुख धर्मेन्द्र सिंह दांगी आगर थे। अतिथि परिचय सहकार भारती के जिला महामंत्री अभिषेक लड्डा ने दिया। संगठन मंत्री और स्वागत भाषण जिला अध्यक्ष जगदीश शर्मा ने दिया।

सहकार भारती की बैठक में उद्बोधन प्रदेश संगठन मंत्री राधेश्याम जलछत्री ने दिया। कार्यक्रम में पधारे समस्त अतिथियों और सहकारिता साथियों का सहकार भारती जिला उज्जैन की ओर से वरिष्ठ सहकारिता साथीयो द्वारा स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश सहकार भारती के प्रदेश कार्यकारणी सदस्य दशरथ सिंह पंड्या ने किया।

बैठक में जिला पंचायत सदस्य रामप्रसाद पंड्या, विक्रम सिंह कंठारखेड़ी, सोहन सिंह गुर्जर, रमेश पंड्या, राधेश्याम चौधरी आदि उपस्थित रहें। कार्यक्रम में जिला कार्यकारिणी व समस्त तहसील कार्यकारिणी की घोषणा की गई। अंत में आभार जिला संगठन प्रमुख जीवन सिंह आंजना ने माना। उक्त जानकारी अरविन्द व्यास ने दी।

सामूहिक झांकियों का कारवां चलता रहा रातभर

बड़नगर। भादो मास के प्रथम सोमवार को प्रतिवर्षा अनुसार इस वर्ष भी चारों मंडलों द्वारा मन मोहक भव्य झांकी का आयोजन किया गया है। इसमें चारों मंडलों- त्रंबकेश्वर, बुद्धेश्वर, मंगलेश्वर और सोमेश्वर ने अपनी अलग-अलग झांकियों की प्रस्तुति दी है।

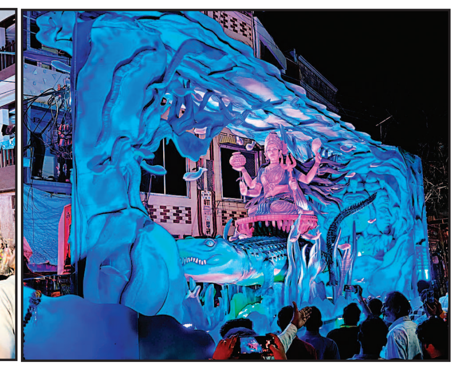

साथ ही आकर्षक श्रृंगार के साथ भगवान के डोले भी सजाए गए हैं। हर मंडल के आगे अखाड़े के कलाकारों द्वारा करतब दिखाते हुए चल रहे थे। सर्वप्रथम भगवान भीमाशंकर का डोला चल रहा था उसके पश्चात त्रंबकेश्वर मंडल फिर बुद्धेश्वर, सोमेश्वर और ममलेश्वर की झांकियां का चल समारोह चल रहा था।

भगवान भोलेनाथ शाही सवारी के रूप में निकलेंगे, जो प्रजा का हाल जानने के लिए। यह आयोजन हर वर्ष बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ सामूहिक रूप से जिसमें हजारों श्रद्धालु शहरी नहीं अपितु ग्रामीण अंचल के लोग भी भाग लेते हैं।

शहर के प्रमुख मार्गो तेजाजी चौक, गांधी चौक, शिवाजी चौराह, डाबरी चौक, जयस्तंभ चौक पर से निकला। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन महादेव स्वयं नगरवासियों का हालचाल जानने के लिए नगर भ्रमण पर निकलते हैं।

आयोजन की विशेषताएं- चारों मंडलों द्वारा भव्य झांकियों का आयोजन, आकर्षक श्रृंगार के साथ भगवान के डोले, पारंपरिक झांकियों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

इस अवसर पर पूरे शहर को सजाया गया है तेजाजी चौक से लेकर गांधी चौक जय स्तंभ तक सामाजिक राजनीतिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा अपने-अपने स्वागत स्टेज लगाए गए। जिसमें नगर पालिका द्वारा गांधी चौक और डाबरी में भी स्वागत स्टेज बनाए गए। जिसमें चारों मंडलों के अध्यक्षों और अखाड़ों के उस्तादों का एवं कलाकारों का सम्मान किया गया।

इसी प्रकार राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों द्वारा भी सभी मंडलों के कलाकारों उस्तादों का भी सम्मान किया गया। साथ जगह-जगह पर सामाजिक संस्था द्वारा अलग-अलग प्रसादी के रूप में पोहा, हलवा, खिचड़ी पानी, चॉकलेट अन्य खाद्य सामग्रियां वितरण की जा रही थी। प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस विभाग एवं विद्युत मंडल और नगर पालिका के कर्मचारियों की जगह-जगह पर ड्यूटी लगाई गई हैं। आयोजन समिति के अनुसार, इस बार की सवारी में पारंपरिक झांकियों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

सोयाबीन फसल पर पीला मौजेक रोग के कारण फसल पर छाए संकट के बादल

खाचरौद। पीले पत्ते दे रहे चेतावनी सोयाबीन फसल पर मंडरा रहा मोजेक रोग के संकट के कारण किसान परेशान हो रहे हैं। वहीं बारिश की लंबी खेंच से क्षेत्र के गांवों में खड़ी सोयाबीन की फसल पर पीला मोजेक रोग के तेजी से फैलने के कारण अन्नदाताओं की परेशानी और बढ़ रही है।

पीला मोजेक लगने से फसल खराब हो रही है। वहीं अफलन की स्थिति निर्मित हो सकती है। कृषि विभाग के अधिकारी गांव-गांव जाकर खराब फसल का मुआयना करे और किसानों को पीला मोजेक रोग से बचाव कैसे करे इसलिए उचित मार्गदर्शन देने की मांग जनपद पंचायत अध्यक्ष पृथ्वीराज सिंह पंवार ने कलेक्टर व मुख्यमंत्री से की है।

पंवार ने पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि उनके द्वारा स्वयं क्षेत्र के गांव भेसोला, कंचनखेडी, फर्नाखेड़ी, बरखेड़ा जावरा सहित कई गांवों का दौरा किया जिसमें पर्याप्त बारिश नहीं होने और पीला मोजेक रोग के तेजी से फैलने के कारण बर्बाद हो रही फसल को देख क्षेत्र के हजारों किसानों की मेहनत महंगे बीज, खाद से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बिजली कंपनियों में नयी भर्ती के लिए स्वीकृत पदों पर 50 प्रतिशत आरक्षण की अपील

बड़नगर। मध्यप्रदेश शासन द्वारा बिजली कंपनियों में नवीन ओ एस को स्वीकृति देकर 49263 नियमित पदों का सृजन कर भर्ती हेतु स्वीकृति प्रदान करने पर मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने मुख्यमंत्री मोहन यादव, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई एवं बिजली कंपनियों के प्रबंध निदेशक गणों का पत्र प्रेषित कर आभार व्यक्त किया।

पत्र के माध्यम से राकेश पाठक ने मुख्यमंत्री जी से अनुरोध किया है कि बिजली कंपनियों में लगभग 10 वर्षों से कार्यरत संविदा कर्मचारियों को नियमित पदों पर बिना शर्त तत्काल संविलियन अर्थात नियमित किया जाना चाहिए।

परीक्षण सहायक नियमित भर्ती 2013 में 1339 पदों पर तीनों विद्युत वितरण कंपनी हेतु ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे प्रतियोगी परीक्षा, साक्षात्कार एवं दस्तावेजों के सत्यापन पश्चात तीनों विद्युत कंपनियों ने कुल 1339 पदों पर नियमित परीक्षण सहायक भर्ती करने के पश्चात शेष लगभग 1550 उत्तीर्ण प्रतियोगियों को प्रतीक्षा सूची में शामिल करते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने संविदा पर नियुक्ति प्रदान की गई एवं कुछ महीनों बाद इन्हीं प्रतीक्षा सूची में से तीनों वितरण कंपनियों ने सैकड़ों लोगों को नियमित नियुक्ति प्रदान कर दी गई। जहां कुछ विद्युत दुर्घटना में काल के गाल में समा गए।

कुछ लोगों ने स्वयं को असुरक्षित समझते हुए विभाग से त्यागपत्र देकर अन्य केंद्रीय एवं राज्य की सेवा में चले गए एवं कुछ विभाग की प्रतियोगी परीक्षाओं से चयनित होकर नियमित हो गए। जबकि वर्तमान में उपरोक्त में से शेष बचे लगभग 650 कर्मचारी अब भी 12 वर्षों से सरकार के न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। जैसा की 2013 विधानसभा चुनाव पूर्व भाजपा घोषणा पत्र में भी विद्युत वितरण कंपनियों में कार्यरत सभी संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की घोषणा की गई थी।

ऊर्जा विभाग मध्य प्रदेश शासन के अंतर्गत तीनों यानी पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल व पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के लगभग एक हजार संविदा एवं नियमित कर्मचारियों के लिए वन टाइम ट्रांसफर पॉलिसी कंपनी टू कंपनी (गृह जिला कंपनी) पारदर्शी स्थानांतरण नीति बनाई जानी चाहिए।

बिजली कंपनियों में लगभग 10 वर्षों से कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए नवीन भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया जाना चाहिए । जिससे वर्षों से सेवारत कर्मचारियों के अनुभव का लाभ बिजली कंपनियों को मिल सकेगा वहीं आउट सोर्स कर्मचारियों का भविष्य सुखद व सुरक्षित हो सकेगा।

मुख्यमंत्री, ऊर्जा मंत्री संविदा कर्मियों और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के हित में यदि उपरोक्त निर्णय लेंगे तो मध्य प्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन फेडरेशन उनका अत्यंत आभारी रहेगा। उक्त जानकारी मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन प्रांतीय उपाध्यक्ष उमाशंकर मेहता ने दी ।

समारोह | **कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज की घोषणा...**

विक्रम विश्वविद्यालय में ई-पुस्तकालय सुविधा शुरू होगी

डॉ. शियाली रामामृत रंगनाथन जयंती व पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस पर विक्रम विश्वविद्यालय में समारोह

उज्जैन। पुस्तकें केवल सूचनाओं का भंडार नहीं, बल्कि अनुभव और भावनाओं की संवाहक भी हैं। कुलगुरु ने घोषणा की कि शीघ्र ही विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में अत्याधुनिक ई-पुस्तकालय सुविधा शुरू होगी, जिससे विद्यार्थी घर बैठे चौबीसों घंटे देश-विदेश में उपलब्ध ई-पुस्तकों एवं शोध-पत्रों तक पहुंच बना सकेंगे।

विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययनशाला तथा महाराजा जीवाजीराव पुस्तकालय के संयुक्त तत्वावधान में अशोक त्रिवेदी सभागृह में प्रख्यात ग्रंथालय विज्ञान विद्वान डॉ. शियाली रामामृत रंगनाथन की जयंती एवं पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस समारोह के अवसर पर ज्ञान, पुस्तकालय एवं पाठन संस्कृति पर केंद्रित समारोह में अध्यक्षीय उद्बोधन में उपरोक्त उद्गार व्यक्त किए तथा श्रोताओं को पुस्तक प्रेम की ओर पुन: आकर्षित किया।

मुख्य अतिथि के रूप में विक्रम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. बालकृष्ण शर्मा उपस्थित रहे। समारोह में वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में विषय प्रवक्ता आचार्य डॉ. जेएम गौतम जीवाजी राव विश्वविद्यालय, ग्वालियर के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहें। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत महाराज जीवाजीराव पुस्तकालय के पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन द्वारा किया गया।

पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. जैन द्वारा स्वागत भाषण में कहा कि कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय विकास की ओर निरंतर अग्रसर है। अध्ययनशाला की शैक्षणिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि विभागाध्यक्ष डॉ. राज बोरिया के नेतृत्व में पुस्तकालय विज्ञान विभाग ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्तमान में पीएचडी में 35 विद्यार्थी पंजीकृत हैं और पिछले तीन वर्षों में 22 विद्यार्थियों ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। इस वर्ष भी 5-6 विद्यार्थियों ने नेट में सफलता अर्जित की है। साथ ही, विभाग में विद्यार्थियों की संख्या एवं संसाधनों में लगातार वृद्धि हो रही है। डॉ. जे.एम. गौतम पुस्तकालय विज्ञान विभागाध्यक्ष, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने वर्चुअल माध्यम से डॉ. रंगनाथन के जीवन एवं कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने पुस्तकालय विज्ञान को नई दिशा देने वाले पांच सूत्र प्रतिपादित किए, जो आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के युग में भी पुस्तकालय का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि ई-पुस्तकालय जैसी नई सुविधाओं ने ज्ञान तक पहुंच को और आसान बना दिया है।

विक्रम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. बालकृष्ण शर्मा ने अपने मुख्य अतिथि भाषण में पुस्तक और ग्रंथ के भारतीय संदर्भ पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत की श्रुति परंपरा से लेकर ताड़पत्र, भोजपत्र, कागज और आज के डिजिटल युग तक पुस्तक का स्वरूप बदलता रहा है, लेकिन उसका महत्व सदैव अमूल्य रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे पुस्तकों का सम्मान करें, क्योंकि जो व्यक्ति पुस्तक के आगे झुकता है, उसे जीवन में किसी और के आगे झुकना नहीं पड़ता। साथ ही कहा कि आज पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के साथ अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस भी हैं। पुस्तक परम आदरणीय ग्रंथ है पुस्तक के प्रति हमेशा हमारे मन में आदर की भावना की कमी नहीं होनी चाहिए तभी हम पुस्तकालयों की रक्षा कर पाएंगे।

विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में पुस्तकालयों की बदलती भूमिका पर विचार रखते हुए कहा कि डिजिटल संसाधनों के विस्तार के बावजूद मुद्रित पुस्तकें पाठकों के साथ जीवंत संवाद स्थापित करती हैं।

उन्होंने कवि शफ़दर हाशमी की कविता 'किताबें करती हैं बातें' का उल्लेख करते हुए कहा कि पुस्तकें केवल सूचनाओं का भंडार नहीं, बल्कि अनुभव और भावनाओं की संवाहक भी हैं। उन्होंने घोषणा की कि शीघ्र ही विक्रम विश्वविद्यालय में ऐसी ई-पुस्तकालय सुविधा शुरू होगी, जिससे विद्यार्थी घर बैठे चौबीसों घंटे देश-विदेश में उपलब्ध ई-पुस्तकों एवं शोध-पत्रों तक पहुंच बना सकेंगे।

कार्यक्रम के दौरान विभाग से हाल ही में जेआरएफ के लिए चयनित विद्यार्थियों अनिल कुमार, कविता गौर, राधेश्याम परमार, वंदना एवं सुभाष वात्सल्य का माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया गया। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. राज बोरिया ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया और आशा व्यक्त की कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को पुस्तकालय और पठन संस्कृति से निरंतर जोड़े रखेंगे।

कार्यक्रम के समापन के पश्चात कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज और एनसीसी के कैडेट्स द्वारा पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम का संचालन विशाल जाधव और आभार विभागाध्यक्ष डॉ. राज बोरिया द्वारा किया गया।